पशुपालन, दुग्ध प्रौद्योगिकी , मत्स्य पालन एवं कुककुट पालन

विषय कोड -[430]

कक्षा 11वीं

समय 3 घंटा

पूर्णांक -100
सैद्धांतिक 75
प्रायोगिक 25

सैद्धांतिक पाठ्यक्रम

इकाई क्रमांक	विषय समाग्री	आबंटित अंक	कालखण्ड
01	पशु-पालन	20	46
02	दुग्ध-प्रौद्योगिकी -I	18	34
03	दुग्ध प्रौद्योगिकी -II	15	26
04	मत्स्य पालन	07	22
05	कुककुट पालन	15	32
	पुनरावृत्ति	-	20
	योग	**75**	**180**

सैद्धांतिक विषय-वस्तु का विवरण

1. **पशु-पालन** :- 20 46

(i) **प्रारंभिक अध्ययन** :- पशु पालन का परिचय, कृषि उद्योग एवं भारतीय अर्थ व्यवस्था में पशुपालन का योगदान ।

(ii) **पशु शारीरिकी** - गाय, भैंस, भेड़, बकरी तथा शूकर के बाह्य अंगों की जानकारी ।

(iii) **पशु कार्यिकी** - गौ पशुओं के विभिन्न आंतरिक अंगो एवं संस्थानों की जानकारी जैसे - पाचन तंत्र, प्रजनन तंत्र एवं दुग्ध क्षरण तंत्र ।

(iv) **पशु प्रजनन** - परिभाषा, प्रकार, महत्व एवं उदाहरण ।

(v) **कृत्रिम गर्भाधान** - अर्थ. महत्व, क्रियाविधि एवं सावधानियां ।

(vi) **पशुओं की उन्नत नस्ले** :- बकरी, भेड़ एवं शूकर की देशी विदेशी तथा उन्नत तथा संकर नस्लों का वर्णन ।

(vii) **पशुओं की जांच** - गुणांकन पत्र द्वारा पशुओं की जांच करना । पशुओं की आयु तथा भार ज्ञात करना ।

(viii) **पशु प्रबंध** - स्वस्थ्य तथा बीमार पशु के लक्षण । पशु आवास व्यवस्था - दुधारू गाय, भैंस, सांड, बैल, बछड़े, एवं गर्भवती गाय । पशुओं का सींगरोधन, बधियाकरण, चिन्हित करना एवं वश में करने की सामान्य विधियां उनके गुण-दोष एवं महत्व ।

2. **दुग्ध प्रौद्योगिकी** :-I 18 34

(i) इतिहास, वर्तमान स्थिति एवं विकास की संभावनाएं । डेयरी विकास से संबंधित प्रमुख योजनाओं की जानकारी ।

	श्वेत क्रांति – प्रमुख चरण, प्राप्त लक्ष्य ।		
(ii)	**दुग्ध सहकारिता –** इतिहास, अर्थ एवं आधारभूत सिद्धांत । अमूल सहकारी संस्था की सामान्य जानकारी ।		
(iii)	**दुग्ध उत्पादन –** दुग्ध व्यवसाय की आधारभूत आवश्यकताएं – भूमि, पूंजी, श्रम, संगठन, साहस, प्रबंध तथा प्रबंधक के कार्य । दुग्ध दोहन की विभिन्न विधियां, दूध की मात्रा एवं गुणों को प्रभावित करने वाले कारक ।		
(iv)	**दुग्ध संसाधन –** दुग्ध पाश्चुरीकरण – परिभाषा, महत्व, विभिन्न विधियों का अध्ययन, दुग्ध निर्जर्मीकरण– परिभाषा, महत्व एवं विधियां । दुग्ध समांगीकरण एवं मानकीकरण – परिभाषा, महत्व एवं विधियां ।		
3.	**दुग्ध प्रौद्योगिकी :– II**	15	26
(i)	दुग्ध की विभिन्न परिभाषाएं, शुद्ध दूध एवं स्वच्छ दूध, दूध का संगठन, भौतिक व रासायनिक गुण एवं पोषक मान, विभिन्न पशुओं के दुग्ध के पोषक मान का तुलनात्मक अध्ययन ।		
	खीस – परिभाषा, संगठन एवं महत्व ।		
(ii)	**दुग्ध पदार्थ –** दही, पनीर, खोआ एवं रबड़ी का मानक संगठन एवं बनाने की विधियां, विभिन्न प्रकार के दूध, उनकी परिभाषा तथा मानक –टोण्ड, डबल टोण्ड एवं स्टैण्डर्ड ।		
(iii)	**दुग्ध विपणन** – दुग्ध उगाहीं, परिवहन, अवशीतन, भण्डारण एवं मूल्य निर्धारण की नीतियां ।		
(iv)	**कृत्रिम दूध** – अर्थ, परिभाषा, स्वास्थ्य पर प्रभाव । दुग्ध उत्पादन हेतु आक्सीटोसिन हार्मोन के प्रभावों का अध्ययन ।		
4.	**मत्स्य–पालन :–**	07	12
	परिभाषा, महत्व, आहार, प्रमुख किस्में, संरक्षण विविधयां एवं विपणन ।		
5.	**कुक्कुट पालन :–**	15	32
(i)	**मुर्गी–पालन :–** परिचय एवं महत्व, भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान, प्रमुख देशी, विदेशी एवं संकर नस्लों के लक्षण एवं विशेषताएं ।		
(ii)	**बटेर पालन–** इतिहास, वर्तमान स्थिति, भविष्य, महत्व, प्रमुख प्रजातियां, देखरेख व प्रबंध ।		
	पुनरावृत्ति		20
	योग	**75**	**180**

प्रायोगिक पाठ्यक्रम

समय : 4 घन्टे **पूर्णांक : 25**

1.	पशु–पालन (कोई एक प्रयोग)	5	10
2.	दुग्ध प्रौद्योगिकी (तैयार करना– कोई एक दुग्ध पदार्थ)	4	08
3.	मत्स्य पालन (पहचानना)	3	06
4.	कुककुट पालन (पहचानना)	3	06

5.	पहचानना	2	04
6.	प्रायोगिक अभिलेख एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट	5	10
7.	मौखिक प्रश्नोत्तर ।	3	06
	योग	**25**	**50**

प्रायोगिक विषय-वस्तु का विवरण

1.	**पशु-पालन** :- (कोई एक)	5	10
(i)	पशुओं के विभिन्न बाह्य अंगों की पहचान करना ।		
(ii)	गुणांकन विधि द्वारा पशुओं की जांच करना ।		
(iii)	पशुओं में सींग रोधन का अभ्यास करना ।		
(iv)	पशुओं की आयु एवं भार ज्ञात करना ।		
2.	**दुग्ध प्रौद्योगिकी -**	4	08
	दुग्ध पदार्थों को तैयार करना - दही, पनीर, खोआ तथा रबड़ी ।		
3.	**मत्स्य पालन** - मछलियों की प्रमुख प्रजातियों की पहचान करना ।	3	06
4.	**कुक्कुट पालन -**	3	06
	कुक्कुट की विभिन्न नस्लों की पहचान करना ।		
	आदर्श फार्म एवं पशु चिकित्सालय का भ्रमण ।		
5.	पाठ्यक्रम आधारित उपकरण, आहार आदि की पहचान करना ।	2	04
6.	प्रायोगिक अभिलेख एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना ।	5	10
7.	मौखिक प्रश्नोत्तर ।	3	06
	योग	**25**	**50**